समाहरणालय, मधेपुरा
(सूचना एवं जनसम्पर्क शाखा)

मो0 सोहैल (भा0प्र0से0) जिलाधिकारी, मधेपुरा की अध्यक्षता में दिनांक 07.04.2017 को ''चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष 2017'' के सफल आयोजन हेतु आहूत बैठक की कार्यवाही।

(1) उपस्थिति पंजी के अनुसारः–

(2) कार्यवाही :–

सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों / आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। जिलाधिकारी द्वारा बतलाया गया कि आज यह बैठक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर वर्ष 2017–18 को शताब्दी वर्ष के रूप में सफलतापूर्वक मनाने हेतु आहूत की गई है। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से इस सम्बन्ध में बारी–बारी से अपने विचार/ सुझाव देने का अनुरोध किया गया। इससे पूर्व जिलाधिकारी, मधेपुरा के निदेश पर प्रभारी जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा इस सम्बन्ध में सरकार से प्राप्त पत्र/ निदेश को पढ़कर सुनाया गया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के विचार/ सुझावः–

(i) इप्टा के प्रतिनिधिः– इनके द्वारा गाँधी जी से सम्बन्धित विषय पर सरकारी/गैर सरकारी स्कूलों के बच्चों द्वारा स्थानीय कला भवन में नाटक मंचन का सुझाव दिया गया। साथ ही गाँधी जी के विचारों पर आधारित अन्तर्विद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही नशामुक्ति, सफाई, अहिंसा आदि पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन करने का भी सुझाव दिया गया।

(ii) श्री बिरेन्द्र यादव, प्रधानाध्यपकः– इन्होंने सत्य–अहिंसा के विचारों को सकूली बच्चों के माध्यम से घर–घर पहुंचाने हेतु शिक्षकों की भूमिका/ भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया तथा गाँधी जी के जीवन एवं विचारों से सम्बन्धित पत्रिकाएँ/पुस्तकों को विद्यालयों में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। इसके साथ ही इनके द्वारा पूरे वर्ष के हरेक महीने को एक विशेष विधा की प्रदर्शनी (गाँधी जी के विचारों पर आधारित) हेतु चयन कर माहवार पूरे वर्ष भर कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने का सुझाव दिया गया।

(iii) श्री पृथ्वीराज यदुवंशी, मधेपुराः– इनके द्वारा 17 अप्रैल को मुख्य कार्यक्रम आयोजित करने एवं सभी विद्यालयी बच्चों द्वारा प्रभात–फेरी आयोजित करने का सुझाव दिया गया। साथ ही प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देशन में तथा जिला स्तर पर एक अधिकृत पदाधिकारी के निर्देशन में वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा ''एक शाम गाँधी के नाम'' कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया गया।

इसके आलावा इनके द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गाँधी जी के विचारों को प्रचायत स्तर तक गाँव–कस्बों तक पहुँचाने का अनुरोध किया गया।

(iv) श्री सुरेन्द्र प्रसाद, शिक्षकः– इनके द्वारा विद्यालय विद्यालय स्तर पर बच्चों के बीच चित्रकला, निबंध, भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से गाँधी जी के विचारों के प्रचार–प्रसार का अनुरोध किया गया इसके साथ ही इन्होंने साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से भी गाँधी जी के विचारों का प्रचार–प्रसार का अनुरोध किया।

(v) मो0 शौकत अली, सामाजिक कार्यकर्त्ता:- इनके द्वारा सम्पूर्ण जिला में अवस्थित गाँधी जी की प्रतिमाओं तथा उसके आसपास सफाई एवं सजावट हेतु सूची बनाकर पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों को इस हेतु अधिकृत करने का अनुरोध किया गया।

शताब्दी वर्ष के आरम्भ एवं अन्त में भव्य कार्यक्रमों को आयोजित करने का सुझाव दिया गया।

(vi) प्रो0 श्यामल किशोर यादव, पूर्व प्राचार्य:- इनके द्वारा बताया गया कि 07 अप्रैल 1917 को गाँधी जी कलकत्ता पहुँचे- 11 अप्रैल को कलकत्ता से मुजफ्फरपुर- 17 अप्रैल को चम्पारण पहुँचकर सत्याग्रह आरम्भ हुआ। इनके द्वारा गाँधी जी के विचारों के सम्बन्ध में उल्लेखित किया गया कि वे ईश्वर को सत्य न मानकर "सत्य ही ईश्वर है" ऐसा मानते थे। इसी कारण उन्होंने सत्याग्रह को सर्वप्रथम अपने विरोध का हथियार बनाया।

उनके द्वारा अनुरोध किया गया कि सभी विद्यालयों में गाँधी जी के विचारों से सम्बन्धित "लिफलेट" छपाकर वितरित किया जाय।

(vii) डॉ0 भूपेन्द्र मधेपुरी:- इनके द्वारा बताया गया कि गाँधी जी गाँवों को हिन्दुस्तान की आत्मा मानते थे, अतः बापू के विचारों का इस अवसर पर विभिन्न माध्यमों से गाँवों तक प्रचार-प्रसार अवश्य किया जाय।

पंचायतों में आम सभा आयोजित कर "भयमुक्त समाज की परिकल्पना" को साकार करने हेतु परिचर्चा आयोजित की जाय।

इनके द्वारा विशेष रूप से बताया गया कि गाँधी जी को चम्पारण आमंत्रित करने में राजकुमार शुक्ला, अनुग्रह नारायण सिंह के साथ जे0पी0 कृपलानी का नाम उल्लेखनीय है। तथा हमारे मधेपुरा के लिए गर्व की बात है कि जे0पी0 कृपलानी ही हमारे प्रथम लोक सभा सदस्य थे। अतः चम्पारण शताब्दी वर्ष को मधेपुरा में अविस्मरणीय रूप से मनाना और भी प्रासांगिक है।

इन्होंने गाँधी जी शक्ल सूरत तथा गाँधी जी के तीन बंदर करने वाले बच्चों में से उत्कृष्ट बच्चे को पुरस्कृत करने का अनुरोध किया इनके द्वारा शताब्दी वर्ष के अवसर पर मधेपुरा जिला में स्थायी स्मृति के रुप में वृद्धों के लिए "गाँधी आश्रम" स्थापित करने का अनुरोध किया।

(viii) मो0 कयूम अंसारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, मधेपुरा:- इन्होंने भी शताबदी वर्ष को अविस्मरणीय बनाने हेतु मधेपुरा में गाँधी जी के नाम पर एक स्थायी भवन के निर्माण करने हेतु अनुरोध किया। साथ ही इन्होंने कुष्ट पीड़ितों के लिए गाँधी जी कार्यो को स्मरण कर 100% कुष्ट पीड़ितों को परवरिश योजना से सम्बद्ध करने का अनुरोध किया तथा इस अवसर स्वच्छता हेतु जन-अभियान चलाने का भी अनुरोध उनके द्वारा किया गया।

(ix) मो0 जेड0 हसन, अनुमंडल पदाधिकारी, उदाकिशुनगंज:- इनके द्वारा विशेष रुप से अनुरोध किया गया कि 17 अप्रैल को सभी सरकारी कर्मी एक कपड़ा खादी का अवश्य पहनेंगे। तथा सभी सरकारी कार्यालयों/ शिक्षण संस्थान के कार्यालयों में गाँधी जी की एक तस्वीर अधिष्ठापित करने का अनुरोध किया।

इनके द्वारा विशेष रूप से अनुरोध किया गया कि चूकि चम्पारण सत्याग्रह किसानों की समस्या के समाधान हेतु किया गया प्रथम सफल सत्याग्रह था अतः इस अवसर पर जिला कृषि के सर्वश्रेष्ठ तीन किसानों को पुरस्कृत किया जाना समीचीन होगा। इस अवसर पर बालक - बालिकाओं के भव्य पृथक-पृथक साइकिल रेस आयोजित करने का अनुरोध किया गया, जिसमें गाँधी जी विचारों से सम्बन्धित स्लोगन आदि प्रचारित हो।

(x) उपविकास आयुक्त, मधेपुराः– इनके द्वारा बताया कि चूकि ''पंचायती राज'' महात्मा गाँधी की सर्वश्रेष्ठ परिकल्पना थी। अतः चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष को आयोजन में त्रि–स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के सभी जन–प्रतिनिधि इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जन–सहभागिता करें। उन्होंने शिक्षकों को सत्याग्रह के सम्बन्ध में प्रशिक्षित करने का अनुरोध किया।

(xi) प्रखंड विकास पदाधिकारी, पुरैनीः– नारी शिक्षा के सम्बन्ध में गाँधी जी विचार को उद्धृत करते हुए इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं नारी शिक्षा के विषयों पर कार्यक्रम करने का अनुरोध किया तथा प्रखंड स्तर पर किसानों की समस्याओं पर परिचर्चा हेतु किसान–सभा आयोजन किये जाने का अनुरोध किया।

(xii) अंचल अधिकारी, मुरलीगंजः– एक व्हाटसएप ग्रुप बनाकर उसमें गाँधी जी के विचारों का प्रचार–प्रसार करने का अनुरोध किया।

(xiii) उपेन्द्र यादव, संगीत शिक्षक, केशव कन्या उच्च विद्यालय, मधेपुराः– बापू के प्रिय भजनों को स्कूलों के प्रार्थना में शामिल करने का अनुरोध किया तथा इस हेतु सभी विद्यालयों 2–3 बच्चों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित करने का अनुरोध किया।

(xiv) प्रो0 विवेकानन्द, भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुराः– विश्वविद्यालय स्तर पर सत्याग्रह के थीम पर वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित किये जाने का अनुरोध किया।

(xv) अंचल अधिकारी, सिंहेश्वरः– सभी विद्यालयों में अलग–अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन करने का सुझाव दिया गया यथा–चित्रकला, वाद–विवाद,नाटक आदि तथा थीम 'गांधी जी' पर आधारित हो।

(xvi) प्रतिनिधि, निजी विद्यालय संघ –सह– शिक्षक, कुर्जी पब्लिक स्कूल,मधेपुरा :– सप्ताह में एक–एक दिन स्कूल के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों की कक्षाओं में गाँधीवाद/गाँधी जी के बारे में शिक्षक एवं छात्रों को बतलाने हेतु एक व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

(xvii) पुलिस अधीक्षक, मधेपुराः– उनके द्वारा गाँधी जी के मूल संदेश– ''सत्य एवं अहिंसा'' पर ही पूरी पुलिस व्यवस्था होने का उल्लेख किया गया।

सभी उपस्थित वक्ताओं के द्वारा रखे गए अपने–अपने विचारों के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा वक्ताओं द्वारा दिए गए सुझावों के आलोक में बतलाया गया कि 10 अप्रैल 2017 से एक वर्ष तक चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा माहवार निर्धारित किया जाता है तथा दिनांक–17.04.2017 को मुख्य कार्यक्रम जिला स्तर, प्रखंड स्तर एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा। इसके अन्तर्ग निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

- बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिले स्थित सभी सरकारी कार्यालयों / विद्यालयों (सरकारी+निजी दोनों) तथा सभी पंचायती राज संस्थाओं के कार्यालयों में गाँधी जी के फोटो को तत्कालिक प्रभाव से लगाया जाय। इस आशय का एक आदेश सामान्य शाखा द्वारा निर्गत किया जायेगा।

16 अप्रैल 2017 का कार्यक्रमः– बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दिनांक–16.04.2017 को पंचायत स्तर पर मुखिया के नेतृत्व में प्रखंड स्तर पर प्रखंड प्रमुख के नेतृत्व में सम्बन्धित प्रखंड विकास पदाधिकारी / अंचलाधिकारी द्वारा तथा जिला स्तर जिला परिषद अध्यक्षा के नेतृत्व में उपविकास आयुक्त, मधेपुरा द्वारा स्वच्छता / सफाई अभियान चलाया जाय। जिला स्तर के कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, मधेपुरा भी शामिल रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी थानों में भी स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जायेगा। जिला स्तर पर होने वाले सफाई कार्यक्रम की व्यवस्था उपविकास आयुक्त, मधेपुरा द्वारा स्थल निर्धारित करते हुए कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, मधेपुरा क सहयोग से कराया जायेगा। जिसमें सरकारी पदाधिकारी एवं अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्ति भाग

लेंगे। नगर पंचायत मुरलीगंज में कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत,मुरलीगंज करेंगे जबकि प्रखंड स्तर प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा इसकी व्यवस्था की जायेगी।

(अनुपालन–उपविकास आयुक्त, मधेपुरा/ कार्यपालक पदाधिकारी,मधेपुरा / मुरलीगंज/ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी/ सभी थानाध्यक्ष)

17 अप्रैल 2017 का कार्यक्रमः–

- 17 अप्रैल 2017 के प्रातः 08 बजे से 10:00 बजे तक सभी पंचायतों / प्रखंडों एवं जिला मुख्यालय अवस्थित सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों /कॉलेजों के बच्चों के सहयोग से ''गाँधी पदयात्रा'' का आयोजन करने का निर्णय लिया गया, इसके अन्तर्गत प्रत्येक स्कूलों के दो–तीन छात्र गाँधी जी के वेश–भुषा धारण किए आगे–आगे चलेंगे। जहाँ–जहाँ संभव हो सके वहाँ–वहाँ गाँधी पदयात्रा में झांकी भी प्रस्तुत किया जाय।

  जिला स्तर पर गाँधी पदयात्रा पर बी0एन0मंडल स्टेडियम से प्रारंभ किया जायेगा तथा कॉलेज चौक होते हुए कर्पूरी चौक से समाहरणालय परिसर वापस आएंगे। सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, जीविका की दीदी, आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका/ स्थानीय स्कूलों के बच्चे भाग लेंगे। इसकी रुपरेखा उपविकास आयुक्त, मधेपुरा/ अनुमंडल पदाधिकारी, मधेपुरा एवं सम्बन्धित पदाधिकारी के साथ बैठक पर निर्धारित करेंगे।

  पदयात्रा में बैनर की व्यवस्था जिला नजारत उपसमाहर्त्ता, मधेपुरा करेंगे।

  (अनुपालन–उपविकास आयुक्त, मधेपुरा/ जिला प्रोग्राम पदाधिकारी,मधेपुरा/ जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका/ जिला शिक्षा पदाधिकारी, मधेपुरा)

- **जीविका द्वारा प्रत्येक CLF पदयात्राः–** जीविका के प्रत्येक CLF में यानि कुल 26 CLF द्वारा गाँधी पदयात्रा निकलेगी।

  (अनुपालन–जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका)

- **पदयात्रा समाप्ति के उपरांत कार्यक्रमः–** स्कूली बच्चे पदयात्रा समाप्ति के उपरांत अपने–अपने विद्यालय वापस लौटेंगे तथा वहाँ पर 'नशामुक्त भारत' के लिए 5 मिनट का मौन रखेंगे।

  जिला स्तर पदयात्रा के समाप्ति के उपरांत समाहरणालय परिसर स्थित गाँधी जी के प्रतिमा के पास 15 मिनट मौन एवं सर्वधर्म सभा का आयोजन किया जायगा जिसमें सर्वप्रथम गाँधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा उसे पश्चात नशामुक्त भारत के लिए संकल्प किया जायेगा तत्पश्चात सर्वधर्म प्रार्थना एवं भजन का कार्यक्रम होगा। इसकी व्यवस्था गाँधी जयंती के तरह प्रभारी पदाधिकारी, समान्य शाखा द्वारा की जायेगी। जबकि माला, बैठने की व्यवस्था, साउण्ड सिस्टम आदि की व्यवस्था जिला नजारत उपसमाहर्त्ता, मधेपुरा द्वारा की जायेगी। इसकी मॉनिटरींग उपविकास आयुक्त, मधेपुरा करेंगे।

  (अनुपालन–प्रभारी पदाधिकारी, समान्य शाखा / जिला नजारत उपसमाहर्त्ता,मधेपुरा/ उपविकास आयुक्त, मधेपुरा)

17 अप्रैल 2017 का कार्यक्रमः–

पंचायत स्तर पर मुखिया के नेतृत्व में आयोजित गाँधी पदयात्रा समाप्ति के उपरांत पंचायत सरकार भवन/ पंचायत भवन में एक आम सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें गाँधी जी के तलिस्मान (जंतर) का वाचन (पाठ) किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनिश्चित कराऐंगे।

(अनुपालन–सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, मधेपुरा जिला)

17 अप्रैल 2017 के मध्याहन दिवस का कार्यक्रमः– (गांधी व्याख्यान)

दिनांक 17.04.2017 को 12 बजे मध्याहन से 3 बजे दिन तक कला भवन, मधेपुरा में गाँधी जी के विचारों, संदेशों एवं आदर्शो पर व्यख्यान माला का आयोजन किया जायेगा। इसके लिए